दृष्टि The Vision

यू.के.पी.एस.सी.
मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025

सामान्य हिंदी + निबंध + सामान्य अध्ययन

हिंदी और **अंग्रेज़ी** दोनों माध्यमों में

प्रारंभ 12 अक्तूबर, 2025

कुल 8 टेस्ट्स

- 1 सामान्य हिंदी टेस्ट
- 1 निबंध टेस्ट
- 6 सामान्य अध्ययन टेस्ट्स (संपूर्ण पाठ्यक्रम)

केवल **ऑनलाइन** माध्यम में (दृष्टि लर्निंग ऐप पर) उपलब्ध

FEE : ~~₹4,499/-~~ ₹3,200/-

मुखर्जी नगर शाखा	करोल बाग शाखा	प्रयागराज शाखा	जयपुर शाखा	लखनऊ शाखा	इंदौर शाखा	नोएडा शाखा	राँची शाखा
641, मुखर्जी नगर, दिल्ली	21, पूसा रोड, नई दिल्ली	13/15, ताशकंद मार्ग, पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, उत्तर प्रदेश	प्लॉट नंबर-45 व 45-ए, हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, राजस्थान	47/ सीसी, बिल्डिंगटन मॉल, विधानसभा मार्ग, लालबाग, उत्तर प्रदेश	12, मेन ए.बी. रोड, भँवर कुआँ, मध्य प्रदेश	सी-171/2, ब्लॉक-ए, सेक्टर-15, उत्तर प्रदेश	क्रिस्टल हाइट्स, लालपुर चौक, राँची, झारखंड

Contacts: 7827-801-492 E-mail : care@groupdrishti.in Website : www.drishtiias.com

मुख्य विशेषताएँ

- नवीनतम पद्धति के अनुसार प्रश्न-पत्र में समसामयिकी एवं पारंपरिक विषयों का सटीक संश्लेषण
- मानक पुस्तकों, प्रामाणिक वेबसाइटों तथा समाचार-पत्रों पर गहन शोध के पश्चात् तैयार प्रश्न-पत्र
- विस्तृत मॉडल उत्तर, जिससे अभ्यर्थियों को सामग्री संवर्द्धन हेतु व्यापक जानकारी व विश्लेषण प्रदान किया जा सके
- विशेषज्ञों की समर्पित टीम द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का समयबद्ध मूल्यांकन किया जाता है, जिससे अभ्यर्थियों को अगले परीक्षण से पूर्व उपयुक्त प्रतिक्रिया मिल सके
- पर्याप्त तैयारी हेतु टेस्ट के बीच उपयुक्त अंतराल
- नम्य प्रारूप- उम्मीदवार अपनी सुविधा के अनुसार निर्धारित तिथि के बाद भी किसी भी दिन व समय पर परीक्षा दे सकते हैं
- पिछले एक वर्ष के समसामयिक घटनाओं की व्यापक कवरेज

टेस्ट संख्या	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट 1 [UKPSC(M)-2501]	**12 अक्तूबर, 2025 (रविवार)**	सामान्य हिन्दी
टेस्ट 2 [UKPSC(M)-2502]	**19 अक्तूबर, 2025 (रविवार)**	निबंध
टेस्ट 3 [UKPSC(M)-2503]	**26 अक्तूबर, 2025 (रविवार)**	सामान्य अध्ययन-I : भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज
टेस्ट 4 [UKPSC(M)-2504]	**02 नवंबर, 2025 (रविवार)**	सामान्य अध्ययन-II : शासन व्यवस्था, संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध
टेस्ट 5 [UKPSC(M)-2505]	**09 नवंबर, 2025 (रविवार)**	सामान्य अध्ययन-III : प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन
टेस्ट 6 [UKPSC(M)-2506]	**16 नवंबर, 2025 (रविवार)**	सामान्य अध्ययन-IV : नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि
टेस्ट 7 [UKPSC(M)-2507]	**23 नवंबर, 2025 (रविवार)**	सामान्य अध्ययन-V : उत्तराखंड राज्य की जानकारी
टेस्ट 8 [UKPSC(M)-2508]	**30 नवंबर, 2025 (रविवार)**	सामान्य अध्ययन-VI : उत्तराखंड राज्य की जानकारी

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

विस्तृत पाठ्यक्रम

सामान्य हिन्दी

अधिकतम अंक-150 **समयावधि-3 घंटे**

1. शब्द-रचना **15 अंक**

- उपसर्ग एवं प्रत्यय, संधि एवं समास, वचन एवं लिंग, व्याकरणिक कोटियाँ-संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण, अव्यय के अनुप्रयोग, वाच्य परिवर्तन, कर्तृवाच्य/कर्मवाच्य/भाववाच्य

2. शब्द-विवेक **15 अंक**

(अ) शब्द-भेद

- तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, शंकर, रूढ़, यौगिक, योगरूढ़, पर्यायवाची, समानार्थी, विलोम, अनेकार्थी, समूहवाची, समरूप किंतु भिन्नार्थक, वाक्य या वाक्यांश के लिये एक शब्द

(ब) शब्द-शुद्धि

3. वाक्य-रचना **15 अंक**

- रचना के आधार पर वाक्य परिवर्तन (सरल, मिश्र एवं संयुक्त), व्याकरण के आधार पर वाक्य परिवर्तन (प्रश्नवाचक, विस्मयादिबोधक, सकारात्मक, नकारात्मक), विराम चिह्न, वाक्य शुद्धि, स्लोगन लेखन

4. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ (अर्थ एवं वाक्य प्रयोग) **10 अंक**

5. पत्र लेखन (अनौपचारिक एवं औपचारिक पत्र) **15 अंक**

6. (अ) प्रतिवेदन लेखन **10 अंक**

- सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, संगठनों में घटित होने वाली घटनाओं पर आधारित प्रामाणिक विवरण तैयार करना

(ब) हिंदी के प्रशासनिक शब्दों का अंग्रेज़ी अनुवाद **10 अंक**

7. बोधन **15 अंक**

(अपठित अवतरण पर पूछे गए बोध-प्रश्नों के उत्तर तैयार करना)

8. सार लेखन/सारांश/संक्षेपण **15 अंक**

- विस्तृत लेख, निबंध, प्रतिवेदन, भाषण, पत्र आदि की विषय-सामग्री को छोटा करके लगभग एक-तिहाई रूप में प्रस्तुत करना

9. पल्लवन **10 अंक**

- प्रसिद्ध सूत्रों, वाक्यों, सूक्तियों, कहावतों/लोकोक्तियों आदि की व्याख्या और विस्तार करना

10. हिंदी अवतरण का अंग्रेज़ी में अनुवाद **10 अंक**

11. अंग्रेज़ी अवतरण का हिंदी में अनुवाद **10 अंक**

नोट: *सामान्यत: हाईस्कूल स्तर के पाठ्यक्रम पर आधारित सामान्य हिंदी के प्रश्नपत्र में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।*

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

निबंध

अधिकतम अंक-150 **समयावधि-3 घंटे**

इस प्रश्नपत्र में निम्न तीन उपखंड 'अ', 'ब' एवं 'स' होंगे। प्रत्येक उपखंड से एक विषय पर चुने गए भाषा विकल्प में 700-800 शब्दों में निबंध लिखना होगा।

खंड: अ

1. साहित्य और संस्कृति।
2. सामाजिक क्षेत्र।
3. राजनैतिक क्षेत्र।
4. आर्थिक क्षेत्र: कृषि, उद्योग और व्यापार।

खंड: ब

1. विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी।
2. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम।
3. प्राकृतिक आपदाएँ: भू-स्खलन, भूकंप, जल-प्रलय, सूखा आदि।
4. राष्ट्रीय विकास योजनाएँ एवं परियोजनाएँ।

खंड: स

1. उत्तराखंड की सामाजिक संरचना।
2. उत्तराखंड का इतिहास व संस्कृति, कला एवं साहित्य।
3. उत्तराखंड का आर्थिक एवं भौगोलिक परिदृश्य, उत्तराखंड में पर्यटन एवं पलायन।
4. उत्तराखंड में पर्यावरण व आपदा एवं आपदा प्रबंधन,
5. उत्तराखंड में महिला सशक्तीकरण।

नोट: *प्रत्येक खंड से निर्दिष्ट शब्द सीमा (700-800 शब्द) के निबंध के लिये पूर्णांक 50 अंक होंगे। प्रत्येक निबंध के मूल्यांकन में निम्नानुसार अंकों का निर्धारण किया जाएगा।*

1. भाषा एवं व्याकरण की शुद्धता, उपयुक्त शब्द चयन एवं सुपाठ्य लिखावट (legible handwriting)।
2. विषय से संबंधित मौलिक विचारों का प्रतिपादन।
3. विषय की बहुआयामी समझ एवं व्यापकता का प्रस्तुतीकरण।
4. विषय संबंधी विचारों का व्यवस्थित, सुसंगत एवं तार्किक तथा निबंध शैली का प्रकटीकरण।
5. विषय के संबंध में स्पष्टता, अभिव्यक्ति क्षमता तथा विषय के संदर्भ में वृद्धिकरण एवं संक्षिप्तीकरण की योग्यता।

सामान्य अध्ययन–I: भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज

अधिकतम अंक: 200 **समयावधि-3 घंटे**

- भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।
- 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, विषय।
- स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

- स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन।
- विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएँ यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।
- भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ, भारत की विविधता।
- महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय।
- भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।
- सामाजिक सशक्तीकरण, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता।
- विश्व के भौतिक-भूगोल की मुख्य विशेषताएँ।
- विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये ज़िम्मेदार कारक।
- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्त्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ, भूगोलीय विशेषताएँ और उनके स्थान-अति महत्त्वपूर्ण भूगोलीय विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।

सामान्य अध्ययन–II: शासन व्यवस्था, संविधान, शासन–प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अधिकतम अंक: 200 **समयावधि-3 घंटे**

- भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्राविधान और बुनियादी संरचना।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियाँ।
- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।
- संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियाँ, कार्य और उत्तरदायित्व।
- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय।
- सरकारी नीतियाँ और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा क्रियान्वयन के कारण उत्पन्न विषय।
- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग- गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्त्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।

- केंद्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित, तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।
- गरीबी और भूख से संबंधित विषय।
- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ एवं संभावनाएँ, नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।
- भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
- भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव, डॉयस्पोरा (प्रवासी भारतीय)।
- महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

सामान्य अध्ययन–III: प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन

अधिकतम अंक: 200 **समयावधि-3 घंटे**

- भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोज़गार से संबंधित विषय।
- समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।
- सरकारी बजट।
- मुख्य फसलें- देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न- सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएँ; किसानों की सहायता के लिये ई-प्रौद्योगिकी।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्य, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु-पालन संबंधी अर्थशास्त्र।
- भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन।
- भारत में भूमि सुधार।
- उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।
- बुनियादी ढाँचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।
- निवेश मॉडल।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोज़मर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
- सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टेक्नोलॉजी, बायो-टेक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।
- आपदा और आपदा प्रबंधन।
- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।
- आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्त्वों की भूमिका।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन- संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।
- विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएँ तथा उनके अधिदेश।

सामान्य अध्ययन–IV: नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

अधिकतम अंक: 200 **समयावधि-3 घंटे**

इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे, जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिये प्रश्न-पत्रों में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है। मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।

- नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
- अभिवृत्ति: सारांश (कंटेंट), संरचना, वृत्ति विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा।
- सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।
- भावनात्मक समझ: अवधारणाएँ तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।
- लोक प्रशासन में सार्वजनिक/सिविल सेवा मूल्य और नैतिकता; स्थिति और समस्याएँ; सरकारी और निजी संस्थाओं में नैतिक चिंताएँ तथा दुविधाएँ; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंत:प्रेरण, शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; जवाबदेही और नैतिक शासन; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और वित्त पोषण में नैतिक मुद्दे; निगम (कारपोरेट) से संबंधित शासन प्रणाली।
- शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)

सामान्य अध्ययन–V: उत्तराखंड राज्य की जानकारी

अधिकतम अंक: 200 **समयावधि-3 घंटे**

- **उत्तराखंड का इतिहास**- प्रागैतिहासिक काल, आद्य ऐतिहासिक काल, उत्तराखंड के प्रमुख पुरातात्त्विक स्थल, उत्तराखंड की प्राचीन जनजातियाँ, कुणिन्द एवं यौद्धेय, कत्यूरी राजवंश, गढ़वाल का परमार राजवंश-शासन, समाज, अर्थव्यवस्था, कुमाऊँ का चंदवंश-शासन, प्रशासन, समाज, अर्थव्यवस्था, गोरखा आक्रमण एवं प्रशासन।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

- उत्तराखंड में ब्रिटिश शासन- प्रशासनिक व्यवस्था, भू व्यवस्था, वनप्रबंधन, अर्थव्यवस्था, शिक्षा एवं चिकित्सा/स्वास्थ्य व्यवस्था, उत्तराखंड में स्थानीय (Vernacular) भाषा की पत्रकारिता का विकास, टिहरी रियासत-शासन, प्रशासन, समाज, अर्थव्यवस्था, धर्म एवं संस्कृति, उत्तराखंड राज्य और राष्ट्रीय आंदोलन, उत्तराखंड के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, टिहरी रियासत का विलय।
- **उत्तराखंड के जन-आंदोलन**- कुली बेगार आंदोलन, डोला-पालकी आंदोलन, चिपको आंदोलन, नशा विरोधी आंदोलन, सामाजिक सुधारक, टिहरी राज्य में रियासत विरोधी आंदोलन, पृथक् उत्तराखंड राज्य आंदोलन एवं उसके तात्कालिक एवं दूरगामी परिणाम।
- **उत्तराखंड का समाज एवं संस्कृति**- परिवार, विवाह एवं नातेदारी, जाति व्यवस्था एवं गतिशीलता, अनुसूचितजाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ी जातियाँ, ग्रामीण शक्ति संरचना, नगरीकरण एवं औद्योगीकरण, प्रमुख लोक गीत, लोक नृत्य एवं शिल्प, प्रमुख लोकगायक एवं रंगकर्मी, लोक वाद्य यंत्र, चित्रकला, वेशभूषा एवं खान-पान, बोलियाँ एवं शिल्प, उत्तराखंड के धार्मिक स्थल एवं मंदिर, मेले एवं त्योहार।
- **उत्तराखंड राज्य के राजनीतिक एवं स्थानीय स्वशासन एवं लोकनीति**- उत्तराखंड की राजनीतिक व्यवस्था, दलीय व्यवस्था, क्षेत्रीय दल एवं दबाव समूह।
- प्रशासनिक व्यवस्था- राज्य सरकार की संरचना, मंत्रिमंडल एवं उसके विभाग, प्रशासनिक अभिकरण तथा ज़िला एवं तहसील स्तरीय प्रशासन, राज्य लोक सेवा आयोग, लोकायुक्त, राज्य सतर्कता अभिकरण, उत्तराखंड में स्थानीय स्वशासन, शहरी स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं का स्वरूप, राज्य वित्त आयोग, राज्य चुनाव आयोग, उत्तराखंड में लोक नीति, सुशासन, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेंस, भ्रष्टाचार का निवारण, लोकपाल तथा लोकायुक्त, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, सेवा का अधिकार, महिला सशक्तीकरण, मनरेगा, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास आदि, उत्तराखंड में महत्त्वपूर्ण आयोग।
- उत्तराखंड राज्य के संदर्भ में समसामयिक घटनाएँ।

सामान्य अध्ययन–VI : उत्तरावंड राज्य की जानकारी

अधिकतम अंक: 200 **समयावधि-3 घंटे**

- उत्तराखंड का भूगोल- स्थिति, विस्तार एवं सामरिक महत्त्व, संरचना एवं उच्चावच, जलवायु, अपवाह तंत्र, प्राकृतिक वनस्पति, मृदा, हिमनद, झीलें और जलवायु परिवर्तन। संसाधन- वन, जल एवं खनिज, भूमि। कृषि, सिंचाई, उद्यानिकी, पशु पालन एवं उद्योग। परिवहन-सड़क, रेल व वायु।
- जलविद्युत परियोजनाएँ, जलीय संकट एवं समाधान।
- पर्यटन- समस्या एवं संभावनाएँ।
- राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य।
- जनसंख्या-वृद्धि दर, घनत्व, वितरण, लिंगानुपात, साक्षरता, प्रवसन-प्रतिरूप इससे उत्पन्न समस्याएँ एवं समाधन। ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण एवं नगर, स्मार्ट नगर। जनजातीय निवास, मानव विकास सूचकांक।
- उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था- राज्य की अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ: प्राकृतिक संसाधन-जल, वन, खनिज आदि।
- राज्य की आर्थिक रूपरेखा- राज्य घरेलू उत्पाद और इसके अवयव, प्रति व्यक्ति आय, आय के प्रमुख स्रोत, कृषि एवं औद्यानिकी, औषधीय पादप, वन उत्पाद, पर्यटन आदि।
- औद्योगिक विकास- राज्य एमएसएमई नीति, वृहद्, मध्यम, लघु एवं कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प उद्योग, निवेश परिदृश्य, समस्याएँ एवं संभावनाएँ।
- आधारभूत संरचनाएँ: भौतिक-सड़क, रेल एवं वायु यातायात, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, संचार, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)।
- आर्थिक नियोजन एवं नीतियाँ- राज्य वार्षिक योजना, विकास कार्यक्रम व नीतियाँ एवं योजनाएँ, विकेंद्रित नियोजन-पंचायती राज संस्थाएँ एवं नगरीय स्थानीय निकाय।
- लोक वित्त: राजस्व प्राप्तियाँ व राज्य कर, लोक व्यय, उत्तराखंड का बजट।
- राज्य की प्रमुख आर्थिक समस्याएँ- गरीबी, प्रवासन, प्राकृतिक आपदा, पर्यावरणीय ह्रास।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

- कल्याणकारी कार्यक्रम: युवा, बाल एवं महिला कल्याण कार्यक्रम, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, मनरेगा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास आदि।
- आपदा प्रबंधन- आपदा की प्रकृति, प्रकार एवं प्रभाव, प्राकृतिक आपदा के प्रमुख कारक तथा कम करने के प्रयास, अनाच्छादन, भूंकप, बादल फटना, वनाग्नि, सूखा, हिमस्खलन आदि, आपदा प्रबंधन में बाधाएँ, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की भूमिका, आपदा प्रबंधन एक्ट (2005), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) आपदा एवं प्रबंधन हेतु उत्तराखंड सरकार के प्रयास। मानव-जनित आपदाएँ एवं प्रभाव।
- उत्तराखंड में मानव संसाधन एवं सामुदायिक विकास- रोज़गार एवं विकास: मानव संसाधन प्रबंधन, मानव संसाधन विकास तथा उत्तराखंड में इसके संकेतक। उत्तराखंड में बेरोज़गारी की समस्या की प्रकृति एवं प्रकार। उत्तराखंड सरकार की योजनाएँ। ग्रामीण विकास एवं सामुदायिक विकास की योजनाएँ- केंद्र एवं राज्य प्रायोजित योजनाओं सहित संबंधित संस्थाओं एवं संगठनों की भूमिका।
- शिक्षा- मानव संसाधन के विकास एवं सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका।
- उत्तराखंड में शिक्षा की पद्धति-समस्याएँ एवं मुद्दे (सार्वभौमिकरण एवं व्यावसायीकरण सहित) महिलाओं तथा अन्य सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों तथा अल्पसंख्यकों के लिये शिक्षा।
- शिक्षा का अधिकार उत्तराखंड में सर्वशिक्षा अभियान तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान।
- उत्तराखंड में उच्च, प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा की स्थिति।
- शिक्षा के उन्नयन में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका (केंद्र, राज्य तथा अन्य संगठनों सहित)
- उत्तराखंड में मानव संसाधन के विकास के एक संघटक के रूप में स्वास्थ्य-
  - उत्तराखंड में स्वास्थ्य देख-भाल व्यवस्था।
  - राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन तथा अन्य संबंधित योजनाएँ।
  - स्वास्थ्य एवं पोषण।
  - खाद्य सुरक्षा अधिनियम इत्यादि।